मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 154, मुंबई, शुक्रवार, 22 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

द्रौपदी मुर्मू होंगी देश की 15वीं राष्ट्रपति

तीसरे राउंड में ही 5.77 लाख वोट लेकर जीतीं

यशवंत सिन्हा को 2.61 लाख वोट मिले

द्रौपदी मुर्मू की जीत की घोषणा होते ही देशभर में जश्न शुरू

संवाददाता

नई दिल्ली। एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू देश की 15 वीं राष्ट्रपति होंगी। वे इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली देश की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति होंगी। गुरुवार को सुबह 11 बजे शुरू हुई काउंटिंग में नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू ने यूनाइटेड प्रोग्रेसिव अलायंस (यूपीए) के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को तीसरे राउंड की गिनती में ही हरा दिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा स्पीकर ने भी दी बधाई

पीएम मोदी ने मुर्मू को बधाई देते हुए कहा– भारत ने इतिहास लिखा है। जब भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, पूर्वी भारत के एक सुदूर हिस्से में पैदा हुई एक आदिवासी समुदाय की बेटी को राष्ट्रपति चुना गया है। द्रौपदी मुर्मू को बधाई। निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने द्रौपदी मुर्मू को देश की नई राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी भारत के 15वें राष्ट्रपति चुने जाने पर द्रौपदी मुर्मू को बधाई दी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई की मध्य रात्रि को खत्म हो रहा है, 25 जुलाई को नए राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण होगा

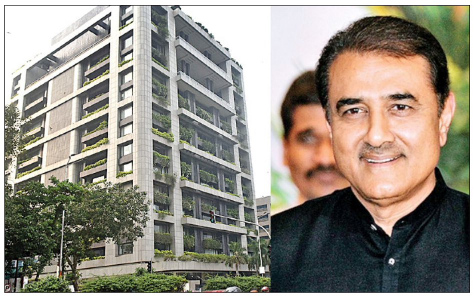

ईडी ने एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल की

चार मंजिला इमारत की जब्त

ईडी ने यह कार्रवाई इकबाल मिर्ची के साथ लेनदेन के सिलसिले में की है

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई से एक सबसे बड़ी खबर सामने आई है। एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मुंबई में प्रफुल्ल पटेल के घर को जब्त कर लिया है। यह एनसीपी के लिए बड़ा झटका है। प्रफुल्ल पटेल से ईडी पहले भी दो बार पूछताछ कर चुकी है। उसके बाद ईडी ने यह कार्रवाई की है। प्रफुल्ल पटेल एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार के करीबी के तौर पर जाने जाते हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

ऑनलाइन बैंकिंग ठगी के शिकार हुए मोहम्मद शकील

पीड़ित मोहम्मद शकील

पीड़ित के सेविंग खाते से हुई 56000 रुपयों की ठगी

संवाददाता

मुंबई। मालाड स्क्वाटर्स कॉलोनी गोरेगांव (पू.) के रहिवाशी मोहम्मद शकील के खाते से 56000 हजार रुपयों की ठगी हुई है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

14/06/2022 को जब इनके खाते से 56000 रुपये डेबिट कर लिए गए तो इन्होंने तुरंत दिंडोशी पुलिस स्टेशन व दिनांक 18/6/2022 को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एस.वी. रोड शाखा मालाड (प.) को लिखित रूप में अवगत कराया था, मगर कही से भी इनका अभी तक समाधान नही हुआ है

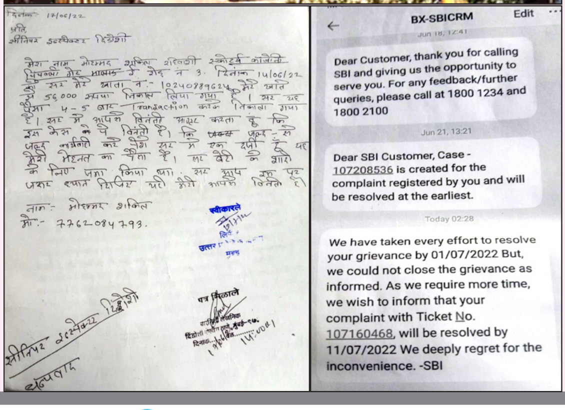
दिनांक 17/06/22
प्रति,
सीनियर इन्स्पेक्टर दिंडोशी

नाम :- मोहम्मद शकिल
मो.:- 7762084793.

स्वीकारले

पत्र मिळाले

BX-SBICRM

Jun 18, 12:41

Dear Customer, thank you for calling SBI and giving us the opportunity to serve you. For any feedback/further queries, please call at 1800 1234 and 1800 2100

Jun 21, 13:21

Dear SBI Customer, Case - 107208536 is created for the complaint registered by you and will be resolved at the earliest.

Today 02:28

We have taken every effort to resolve your grievance by 01/07/2022 But, we could not close the grievance as informed. As we require more time, we wish to inform that your complaint with Ticket No. 107160468, will be resolved by 11/07/2022 We deeply regret for the inconvenience. -SBI

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

विक्रमसिंघे की जीत

गहरे आर्थिक-सामाजिक संकट में फंसे श्रीलंका को नया राष्ट्रपति मिलना समाधान की ओर उठा एक कदम है। खास बात यह है कि नया राष्ट्रपति देश पर थोपा नहीं गया है। रनिल विक्रमसिंघे श्रीलंकाई संसद में बहुमत से चुने गए हैं। उन्होंने चुनाव में डलास अल्हाप्पेरुमा और अनुरा कुमारा दिसानायके जैसे कद्दावर नेताओं को पीछे छोड़ दिया। छह बार देश के प्रधानमंत्री रह चुके विक्रमसिंघे ने 134 मतों से जीत हासिल की है। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने उचित ही देश की जनता को संबोधित किया। उन्होंने स्वीकार किया है कि देश बहुत मुश्किल स्थिति में है, हमारे सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं, लेकिन उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि संसद ने उनको चुनौतियां गिनाने के लिए नहीं, बल्कि चुनौतियों से निपटने के लिए चुना है। बुधवार को हुए इस चुनाव में अगर श्रीलंकाई सांसदों ने रनिल विक्रमसिंघे के अनुभव को तरजीह दी है, तो यह मुनासिब ही है। उनके प्रतिद्वंद्वी राजनेताओं के पास उतना अनुभव नहीं था, जबकि सांसदों को लगता है कि यह समय अनुभव के इस्तेमाल का है। गौर करने वाली बात है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से चल रही बातचीत आगे बढ़ गई है और इस काम को विक्रमसिंघे ही आगे बढ़ा रहे हैं, अतः अभी नया राष्ट्रपति चुनने से बातचीत पर असर पड़ सकता था। फिर विक्रमसिंघे के विदेशी नेताओं के साथ संपर्क भी देश के काम आ सकते हैं। राजपक्षे परिवार के मुखिया जिस मोड़ पर देश को छोड़कर भागे हैं, वहां से देश का सुधार की दिशा में मुड़ना बहुत मायने रखेगा। यह काम अगर विक्रमसिंघे ने कर दिया, तो उनका नाम इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो जाएगा। ऐसा संकट दक्षिण एशिया के किसी भी देश में नहीं आया था, श्रीलंका आज ऐसी स्थिति में है कि उसकी मदद करने में भी दुनिया के ज्यादातर देश हिचक रहे हैं। इस देश को अभावों ने इस कदर घेर लिया है कि कर्ज देने वाले राष्ट्रों को अपना पैसा डूबता हुआ दिख रहा है। हालांकि, रनिल विक्रमसिंघे के पास भी समय कम है। लोग केवल राजपक्षे से ही नहीं, बल्कि विक्रमसिंघे से भी इस्तीफा मांग रहे थे। विक्रमसिंघे के घर को भी आग के हवाले किया गया था, लेकिन तब भी वह संसद की पहली पसंद साबित हुए हैं। बताया जा रहा है कि इस चुनाव में डलास अल्हाप्पेरुमा को लोगों की पसंद बताया जा रहा था। एक आशंका यह भी है कि विक्रमसिंघे को राष्ट्रपति के रूप में लोग स्वीकार नहीं करेंगे। नए सिरे से देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो सकते हैं, लेकिन अगर ऐसा हुआ, तो इससे श्रीलंका का समय ही खराब होगा। अभी तो बेहतर यही है कि विक्रमसिंघे के अनुभव के सहारे श्रीलंका मौजूदा संकट से जल्दी से जल्दी उबरने के संकेत देने लगे। अतः श्रीलंका के राष्ट्रपति को अपने लिए एक निश्चित समय-सीमा रखनी चाहिए और उसी के तहत देश की जरूरतों को पूरा करना चाहिए। जैसे, उन्हें बताना चाहिए कि वह देश में तेल या ऊर्जा संकट को कब तक दूर कर देंगे? दो-चार दिनों में ही उन्हें देश को आश्वस्ति का एहसास कराना पड़ेगा। लोग जितने संकटों से घिरे हैं, उनमें निश्चित ही धैर्य कम होगा, पर लोगों को अभी संसद के फैसले का सम्मान करना चाहिए। अगर फिर चुनाव हुए, तो इससे देश पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। अतः लोगों को संयम रखते हुए ईंधन, भोजन, दवा जैसी बुनियादी चीजों की कमी दूर करने में सहयोगी की भूमिका निभानी चाहिए।

राहत के लिए सिर्फ न्यायपालिका !

लेकिन भारत में ऐसा लगता है कि विधायिका और कार्यपालिका का काम लोगों को मुश्किल में डालना है, जबकि न्यायपालिका का काम लोगों को राहत देना है। कायदे से देश के नागरिकों को विधायिका और कार्यपालिका से राहत मिलनी चाहिए। इन दोनों संस्थाओं के साथ नागरिकों का ज्यादा से ज्यादा जुड़ाव होना चाहिए। दोनों का नागरिकों के साथ संवाद होना चाहिए ताकि इन दोनों संस्थाओं के फैसले या इनके कामकाज आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करने वाले न हों। लोकतंत्र के सुचारू रूप से काम करने के लिए जरूरी है कि सभी संस्थाएं संविधान से मिले मैंडेट के मुताबिक काम करें। सभी संस्थाएं ईमानदारी से काम करेंगी तभी नागरिकों को राहत के लिए एक संस्था पर निर्भर नहीं होना होगा। एक संस्था पर निर्भरता से कई और विद्रूपताएं पैदा हो रही हैं, जो उस संस्था की साख के लिए भी अच्छी बात नहीं है।

आजकल हर दिन अखबारों में यह सुर्खियां देखने को मिलती हैं कि फलाने को सुप्रीम कोर्ट से राहत, ढिमकाने को भी सुप्रीम कोर्ट से राहत या फलाने-ढिमकाने को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं! किसी किसी को हाई कोर्ट से भी राहत मिल जाती है तो कोई निचली अदालत से ही राहत हासिल कर लेता है। सवाल है कि राहत देने का काम सिर्फ न्यायपालिका के हवाले कैसे हो गया है? क्या भारतीय संविधान के मुताबिक राहत देने वाली एकमात्र संस्था न्यायपालिका है या कोई और संस्था भी इस महान देश के नागरिकों को राहत दे सकती है? आखिर ऐसा क्या हो गया कि इस देश के आम नागरिक ही नहीं, बल्कि उद्योगपति से लेकर नेता तक सब राहत के लिए न्यायपालिका पर निर्भर हो गए? फैक्ट चेक करने वाले मोहम्मद जुबैर को भी सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी तो पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी करने वाली भाजपा की पूर्व प्रवक्ता को भी राहत सुप्रीम कोर्ट ने ही दी। उससे पहले तीस्ता सीतलवाड या जकिया जाफरी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली।

उलटे सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आधार पर तीस्ता सीतलवाड के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हो गया और गुजरात की पुलिस ने उनको गिरफ्तार भी कर लिया। अभी पिछले ही दिनों सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने 'जल्दबाजी में और अंधाधुंध गिरफ्तारियों और जमानत मिलने में हो रही देरी' पर कड़ा ऐतराज जताया था। उन्होंने कहा था, 'आज जैसे हालात हो गए हैं, उसमें प्रोसेस ही पनिशमेंट बन गया है'। भारत के चीफ जस्टिस ने जो कहा उससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पुलिस जाने या अनजाने में लोगों की अंधाधुंध गिरफ्तारी कर रही है, जबकि इतनी गिरफ्तारियों की जरूरत नहीं है। पुलिस अगर अपना काम ठीक से करे तो इतनी गिरफ्तारी नहीं होगी। मोहम्मद जुबैर के मामले और उस पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों से भारत में पुलिस के कामकाज की एक झलक मिलती है। दूसरा निष्कर्ष यह है कि अगर निचली अदालतें 'बेल नॉट जेल' के पवित्र न्यायिक सिद्धांत का पालन करें तो इतनी बड़ी संख्या में लोगों को जेल में बंद नहीं रहना होगा। देश में इस समय विचाराधीन कैदियों की संख्या दुनिया के किसी भी दूसरे देश से ज्यादा है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो, एनसीआरबी ने 2020 तक के जो आंकड़े इकट्ठा किए हैं उसके मुताबिक भारत की जेलों में बंद कैदियों में 76 फीसदी हिस्सा विचाराधीन कैदियों का है। इस आंकड़े के मुताबिक 2020 में भारत की जेलों में चार लाख 90 हजार के करीब कैदी बंद थे, जिनमें से तीन लाख 72 हजार के करीब विचाराधीन कैदी थे। यानी ऐसे कैदी, जिनके मामले की सुनवाई अदालतों में लंबित है। सोचें, चार लाख 90 हजार में से महज एक लाख 18 हजार ऐसे कैदी हैं, जो सजा काट रहे हैं, बाकी सुनवाई पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जिनको गिरफ्तार ही नहीं होना चाहिए था या गिरफ्तार हुए तो पहले ही जमानत मिल जानी चाहिए थी।

यह असल में देश की एक बड़ी समस्या का छोटा पहलू है। अपराध न्याय प्रणाली के अलावा राजनीतिक, सामाजिक या ऐतिहासिक मामलों में भी अब राहत देने वाली एकमात्र संस्था न्यायपालिका हो गई है। मुगलों के समय या उससे भी पहले मुस्लिम आक्रांताओं की गलतियों को सुधारना है तो अदालत में जाना है। विधायकों-सांसदों को दलबदल से रोकना है तो अदालत में जाना है। बहुमत साबित करना है तो अदालत में जाना है। सरकार ने कोई कानून बना दिया या कोई कानून नहीं बना रही है तो अदालत में जाना है। सरकार लोगों के घरों पर बुलडोजर चला रही है तो अदालत में जाना है। यहां तक कि सरकार बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था नहीं कर रही या सरकारी एजेंसियां मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रही हैं तो भी राहत के लिए अदालत में जाना है।

सोचें, अगर राहत देने वाली यह एकमात्र संस्था राहत न दे तो क्या होगा? अगर यह संस्था किसी दबाव या पूर्वाग्रह में फैसला करने लगे तो क्या होगा? फिर लोग राहत के लिए कहां जाएंगे? क्या यह अच्छा नहीं होता कि सभी लोकतांत्रिक संस्थाएं आम लोगों को राहत देने के लिए काम करतीं और लोगों को राहत के लिए सर्वोच्च अदालत तक नहीं जाना होता? ध्यान रहे सर्वोच्च अदालत संवैधानिक अदालत है और उसका मुख्य काम संविधान का संरक्षण है। उसे न्यायिक समीक्षा का अधिकार है तो उसे उसी काम पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था ब्रिटेन से और न्यायिक व्यवस्था अमेरिका से ली गई है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की तर्ज पर भारत का सुप्रीम कोर्ट बना है। लेकिन अमेरिका में शायद ही कभी यह सुनने को मिलेगा कि सुप्रीम कोर्ट में जमानत पर सुनवाई हो रही है। वहां सिर्फ बड़े संवैधानिक मसले सुप्रीम कोर्ट में जाते हैं, जहां कुल नौ जज होते हैं और हर मामले को सारे जज मिल कर सुनते हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में पूरे साल में सौ के करीब मामले सुने जाते हैं और कोई मामला लंबित नहीं रहता है। इसके उलट भारत की सर्वोच्च अदालत में 50 हजार से ज्यादा केस लंबित हैं और सभी अदालतों को मिला कर तीन करोड़ से ज्यादा केस पेंडिंग हैं।

ध्यान रहे किसी भी लोकतंत्र में हर संवैधानिक संस्था की जिम्मेदारी लोगों को राहत देने की होती है। उनका काम लोगों को परेशानी में डालना नहीं, बल्कि परेशानी से बचाना होता है। लेकिन भारत में ऐसा लगता है कि विधायिका और कार्यपालिका का काम लोगों को मुश्किल में डालना है, जबकि न्यायपालिका का काम लोगों को राहत देना है। कायदे से देश के नागरिकों को विधायिका और कार्यपालिका से राहत मिलनी चाहिए। इन दोनों संस्थाओं के साथ नागरिकों का ज्यादा से ज्यादा जुड़ाव होना चाहिए। दोनों का नागरिकों के साथ संवाद होना चाहिए ताकि इन दोनों संस्थाओं के फैसले या इनके कामकाज आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करने वाले न हों। लोकतंत्र के सुचारू रूप से काम करने के लिए जरूरी है कि सभी संस्थाएं संविधान से मिले मैंडेट के मुताबिक काम करें। सभी संस्थाएं ईमानदारी से काम करेंगी तभी नागरिकों को राहत के लिए एक संस्था पर निर्भर नहीं होना होगा। एक संस्था पर निर्भरता से कई और विद्रूपताएं पैदा हो रही हैं, जो उस संस्था की साख के लिए भी अच्छी बात नहीं है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

डोंबिवली परिसर मानपाडा शाखा की आईसीआईसीआई बैंक से

12.20 करोड़ रुपया चुराने वाले मुंब्रा के तीन आरोपियों को ठाणे अपराध शाखा संपत्ति प्रकोष्ठ ने किया गिरफ्तार

संवाददाता/समद खान

ठाणे। डोंबिवली परिसर मानपाडा शाखा की आईसीआईसीआई बैंक से 12.20 करोड़ रुपए चुराने वाले मुंब्रा के तीन आरोपियों को ठाणे अपराध शाखा संपत्ति प्रकोष्ठ द्वारा गिरफ्तार करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में मालमत्ता गुनाह कक्ष के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल सुरेश होनराव द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 13 जुलाई बुधवार को डोंबिवली मानपाडा पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर दर्ज की गई थी या एफआईआर आईसीआईसीआई बैंक के कर्मचारी अल्ताफ के खिलाफ की गई थी जो मुंब्रा के मुंब्रा देवी स्टेशन रोड का रहवासी है उसने बैंक की तिजोरी से 34 करोड़ निकालकर बाहर फेंके थे उसने बैग में पैक भी किए थे लेकिन वह 12.20 करोड़ रुपए ही ले जा पाया यह चोरी 9 जुलाई शनिवार को डोंबिवली मानपाडा इलाके में आईसीआईसीआई बैंक की शाखा से की गई थी तकनीकी जांच के आधार पर सीसीटीवी और खबरी की मदद से ठाणे अपराध शाखा संपत्ति प्रकोष्ठ ने मुंब्रा मित्तल ग्राउंड के रहवासी इसरार अबरार हुसैन कुरेशी वर्ष 33 को जाल बिछाकर गिरफ्तार किया गया कथित पूछताछ करने पर इसरार ने चोरी की सारी कहानी सुना दी जिसमें अल्ताफ को इस चोरीकांड का मुख्य सरगना बताया जा रहा है क्योंकि 9 वर्षों से आईसीआईसीआई बैंक में कार्यरत अल्ताफ ही था और वो पैसों की तिजोरी की देखरेख करने की सारी जिम्मेदारी उसी को दी गई थी उसके बाद उसने दो और लोगों का नाम बताया शमशाद अहमद रियाज अहमद खान वर्ष 33 और अनुज प्रेम शंकर गिरी वर्ष 30 यह दोनों मुंब्रा की रहवासी बताए जा रहे हैं अपराध शाखा ने इसरार की निशानदेही पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और इस चोरीकांड का मुख्य सरगना अल्ताफ अभी फरार बताया जा रहा है और अपराध शाखा की पकड़ से दूर है लेकिन अपराध शाखा के अधिकारी ने विश्वास दिलाया है की बहुत जल्द वह हमारी गिरफ्त में होगा फिलहाल अपराध शाखा की संपत्ति प्रकोष्ठ अधिकारी द्वारा उनके पास से 5.80 करोड़ रुपए की रकम बरामद कर ली गई हैं और 10 लाख रुपए की संपत्ति का खुलासा किया गया है और इस चोरीकांड में इस्तेमाल की गई टाटा योद्धा को भी ताबे में ले लिया गया है और अभी अपराध शाखा की संपत्ति प्रकोष्ठ के अधिकारी द्वारा गंभीरता से इस मामले की छानबीन कर रही है और सरगर्मी से चोरीकांड के मुख्य सरगना अल्ताफ की तलाश में जुटी है।

मुंबई पुलिस ने जब्त की 2.67 करोड़ रुपये की व्हेल की उल्टी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। पुलिस ने बुधवार को मुंबई में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से व्हेल की उल्टी बरामद की गई है, जिसकी कीमत 2.67 करोड़ है। व्हेल की उल्टी को एम्बरग्रीस या ग्रे एम्बर भी कहा जाता है। यह एक प्रतिबंधित समुद्री पदार्थ है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को मरीज ड्राइव से पकड़ा गया है। उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि 25 वर्षीय वैभव कालेकर को मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने दक्षिण मुंबई के ट्राइडेंट होटल के पास से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने कहा, एक गुप्त सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया था कि वह अवैध रूप से एम्बरग्रीस बेचने की कोशिश कर रहा था। तलाशी के दौरान, अधिकारियों ने उसे 2.6 किलो एम्बरग्रीस ले जाते हुए पाया।

कहां से आया करोड़ों का एम्बरग्रीस?: पुलिस ने बताया कि ऐसा संदेह है कि उन्होंने रत्नागिरी जिले के दापोली से इसे खरीदा था, जहां कुछ महीने पहले कुछ व्हेल मृत पाई गई थीं। उन्होंने कहा कि रत्नागिरी के रहने वाले आरोपी को वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है और आगे की जांच जारी है।

इसलिए बैन है एम्बरग्रीस: भारत में एम्बरग्रीस की बिक्री प्रतिबंधित है क्योंकि स्पर्म व्हेल, एक लुप्तप्राय प्रजाति, 1927 के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची I के तहत संरक्षित हैं। कहा जाता है कि स्पर्म व्हेल ज्यादातर गुजरात के अरब सागर और ओडिशा से बंगाल की खाड़ी में पाए जाते हैं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

ऑनलाइन बैंकिंग ठगी के शिकार हुए मोहम्मद शकील

पीड़ित ने इसकी शिकायत स्टेट बैंक प्रबंधक मालाड (प.) एस .वी रोड शाखा को दिनांक 18/6/2002 को लिखित रूप में दी है। और पीड़ित ने इस ठगी की शिकायत अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन दिंडोशी में दी थी, मगर शिकायत के आधार पर पुलिस ने अभी तक कोई मामला दर्ज नही किया है, बस इनको सान्त्वना देकर आज कल करके टालमटोल किया जा रहा है। मोहम्मद शकील स्काट्र्स कालोनी गोरेगांव (पु.) के रहने वाले है, पेशे से दर्जी है। इन्होंने अपने मेहनत की कमाई अपनी बेटी की शादी के लिए जमा कर रखे थे। जब दिनांक 14/06/2022 को इनके खाते से 56000 रुपये डेबिट कर लिए गए तो इन्होंने तुरंत दिंडोशी पुलिस स्टेशन व दिनांक 18/6/2022 को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एस.वी. रोड शाखा मालाड (प.) को लिखित रूप में अवगत कराया था, मगर कही से भी इनका अभी समाधान नही हुआ है। और वह इस निवेदनपत्र के माध्यम से सभी पत्रकार बंधु समाजसेवी बंधु से गुहार लगा रहे कि इनको इनका पैसा दिलाने में मदद की जाए।

द्रौपदी मुर्मू होंगी देश की 15वीं राष्ट्रपति

मुर्मू को जीत के लिए जरूरी 5 लाख 43 हजार 261 वोट तीसरे राउंड में ही मिल गए। थर्ड राउंड में ही मुर्मू को 5 लाख 77 हजार 777 वोट मिले। वहीं यशवंत सिन्हा 2 लाख 61 हजार 62 वोट ही जुटा सके। इसमें राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों समेत 20 राज्यों के वोट शामिल हैं। बाकी के राज्यों की गिनती जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जेपी नड्डा ने मुर्मू के घर पहुंचकर उन्हें बधाई दी। पीएम मोदी ने मुर्मू को बधाई देते हुए कहा- भारत ने इतिहास लिखा है। जब भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, पूर्वी भारत के एक सुदूर हिस्से में पैदा हुई एक आदिवासी समुदाय की बेटी को राष्ट्रपति चुना गया है। द्रौपदी मुर्मू को बधाई। निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने द्रौपदी मुर्मू को देश की नई राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी भारत के 15वें राष्ट्रपति चुने जाने पर द्रौपदी मुर्मू को बधाई दी। इधर, यशवंत सिन्हा ने भी हार मान ली है। उन्होंने मुर्मू को बधाई देते हुए कहा- द्रौपदी मुर्मू को उनकी जीत पर बधाई देता हूं। देश को उम्मीद है कि गणतंत्र के 15वें राष्ट्रपति के रूप में वे बिना किसी भय या पक्षपात के संविधान के संरक्षक के रूप में कार्य करेंगी। मुर्मू को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा- राष्ट्रपति चुनाव में प्रभावी जीत दर्ज करने पर द्रौपदी मुर्मू को बधाई। वे गांव, गरीब, वंचितों के साथ-साथ झुग्गी-झोपड़ियों में भी लोक कल्याण के लिए सक्रिय रहीं हैं। आज वे उनके बीच से निकल कर सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचीं। यह भारतीय लोकतंत्र की ताकत है।

ईडी ने एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल की चार मंजिला इमारत की जब्त

जिस तरह से ईडी ने उनकी संपत्ति, संपत्ति के लेन-देन के रिकॉर्ड में अनियमितता पाई थी। इसके चलते प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ कार्रवाई की गई। सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई मुंबई के सीजी हाउस स्थित एक घर में की गई है। ईडी ने यह कार्रवाई इकबाल मिर्ची के साथ लेनदेन के सिलसिले में की है। ईडी ने प्रफुल्ल पटेल से दो बार पूछताछ की थी, लेकिन उस पूछताछ से कोई संतोषजनक जानकारी नहीं मिली। अंडरवर्ल्ड डॉन इकबाल मिर्ची के साथ प्रफुल्ल पटेल के लेन-देन की जानकारी सामने आई थी। पता चला कि दीपक सलवार एयर सेक्टर में एविएशन डील में शामिल था। प्रफुल्ल पटेल को भी 6 जून को सांशियात लेनदेन के सिलसिले में पूछताछ के लिए पेश होने का आदेश दिया गया था। इससे अंडरवर्ल्ड से कनेक्शन वाले वित्तीय लेनदेन का पर्दाफाश हुआ। वर्ली में सीजे हाउस एक बड़ी इमारत है। इस इमारत के बनने से पहले वहां एक छोटी सी इमारत थी। इमारत का मालिक गैंगस्टर इकबाल मिर्ची था। यह पता चला कि प्रफुल्ल पटेल की कंपनी द्वारा इमारत का पुनर्विकास किया गया था। पता चला कि पटेल की कंपनी ने उस इमारत में जमीन के बदले में इकबाल मिर्ची और उसके रिश्तेदारों को जमीन और पैसा दिया था। इस मामले में भी गबन का अंदेशा था। ईडी ने दस्तावेजों की जांच की। कई दिनों से जांच चल रही थी। आखिरकार इस मामले में प्रफुल्ल पटेल से दो बार पूछताछ करने के बाद ईडी ने सीजे हाउस में उनके घर को सीज कर दिया है।

कोरोना बेरोजगारी, एलपीजी गैस, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों महंगाई से परेशान है जनता

अनाज इलाज से जीएसटी वापस ले केंद्र सरकार: हाजी इस्तियाक जागीरदार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अल्पसंक्यंक विभाग के राष्ट्रीय महासाचिव और मानवधिकार संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी इस्तियाक जागीरदार ने केंद्र सरकार से नाराजगी जताते हुए कहा कि पहली बार खाद्य पदार्थों पर जो जीएसटी लगाई है, उसे तुरंत वापस ले। क्योंकि कोविड कोरोना, बेरोजगारी, एलपीजी गैस, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों के बाद महंगाई के उच्च स्तर के कारण आम आदमी की कमर पहले से ही टूटी हुई है। कोरोनाकाल में आधे से ज्यादा बिजनेस बंद हो गया है। और रही सही कसर जीएसटी लगने से पूरी हो जाएगी। एक्स्ट्रा जीएसटी से कारोबार पर भी असर पड़ेगा। दूध, दही,पनीर और आटा समेत कई पैकेज्ड कई खाद्य पदार्थ उत्पादों पर जीएसटी लागू होने से इलाज के लिए कमरा और होटल में रूम भी महंगा हो जायेंगा। जागीरदार ने कहा सरकार कहती हैं गरीबी हटाओ सब का साथ सब का विकास हो पर अब तो गरीबों को हटाया जा रहा है। अडानी, अंबानी, टाटा और राम देव बाबा साथ और विकास हो रहा है आम जनता को अब रहात नही मिलेगी इस कदम से महंगाई और बेरोजगारी बढ़ेगी। रुपया लगातार गिर रहा है, चालू खाता घाटा बढ़ रहा है, लगातार बढ़ रही महंगाई के कारण नोट बंदी से परेशान महिलाओं को गृहस्थी चलाना मुश्किल हो रहा है। अगर यही हाल रहा तो गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए घर का राशन जुटाना मुश्किल हो जाएगा। सरकार गरीबों कि पगार नही बढाती जो मजदुर सुबहा से शाम तक मेहनत करके मजदुरी करता है आपना खुन पसीना बहाता है उसकी पूरे दिन कि मजदुरी सिर्फ चार से पाँच सौ रूपय बडी मुश्किल से मिलती है जिस से उसका उसके परीवार का पूरा गुजारा होना काफी मुश्किल हैं इस पर सरकार क्यों नही सोचती।

सोनिया गांधी पर मोदी सरकार द्वारा ईडी के दुरुपयोग प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार हुए डॉ. अनिल कुमार मीणा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सरकार द्वारा ईडी के दुरुपयोग द्वारा सोनिया गांधी को परेशान करने एव अग्निपथ योजना के खिलाफ विरोध में आज भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास के नेतृत्व में देश भर में जगह-जगह आंदोलन किए। पहले इससे पहले राहुल गांधी पर एडी की जांच से परेशान करने के मामले सामने आए। जिसमें राहुल गांधी को लगातार सात दिनों तक 55 घंटे तक पूछताछ करके परेशान किया गया। देश में फिलहाल सरकारी संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर देश की समस्याओं पर आवाज उठाने वाले कांग्रेस नेताओं को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। भारतीय युवा कांग्रेस के भारतीय युवा कांग्रेस आरटीआई डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. अनिल कुमार मीणा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि आज उनके साथ शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के दमनकारी रवैया से कई कार्यकर्ता घायल हो गए। इस तरह से पुलिस के बर्ताव को लेकर डॉ. अनिल कुमार मीणा ने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मोदी की कठपुतली बनकर रह गई है। दमनकारी रवैया अपनाने प्रशासन हर जगह नियमों का उल्लंघन कर रही है। पार्लियामेंट स्ट्रीट दिल्ली के थानाधकारी रिछपाल सिंह ने गैर जिम्मेदाराना तरीके से युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट करवाई एवं उनके दमनात्मक रवैया से कई कार्यकर्ताओं के साथ बदसलूकी एवं उनके मोबाइल एवं शारीरिक क्षति पहुंचाई। डॉ. अनिल कुमार मीणा ने कहा कि ऐसे गैर जिम्मेदाराना तरीके से दमनात्मक रवैया अपनाने वाले थाना अधिकारियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कार्यकर्ताओं को न्याय दिलाने के लिए भारतीय न्याय व्यवस्था के दरवाजे तक गुहार लगाएंगे।

मोदी जी लांबिया टोल नाके पर की जा रही अवैध वसूली से हमें बचाएं, हमारे भी छोटे छोटे बच्चे हैं

लांबिया टोल नाके पर आरटीओ द्वारा की जा रही अवैध वसूली पर ट्रक चालकों का दर्द छलका

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। आजकल आरटीओ द्वारा लांबिया टोल नाके पर की जा रही अवैध वसूली से ट्रक चालक अच्छे खासे परेशान हैं और आरटीओ के प्रति लोगों में काफी गुस्सा और आक्रोश हैं। रायला नेशनल हाईवे 48 पर ट्रक चालकों से अवैध वसूली की जा रही हैं। जिससे वाहन चालक काफी परेशान है। वाहन चालकों ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि लांबिया टोल पर आए दिन कोई न कोई आरटीओ दिन रात कभी भी आकर अवैध वसूली शुरू कर देता हैं। जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। एक तो टोल पास करने पर पैसा लगता हैं और दूसरा वहीं पर ही आरटीओ अवैध रूप से पैसा वसूल लेता है। बहुत से वाहन चालकों का कहना हैं कि हम फरियाद करें तो भी आखिर किससे करें। सरकार को भी हमारी पीड़ा को समझते हुए इस लांबिया टोल नाके पर की जा रही अवैध वसूली के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए ताकि हमें अवैध वसूली से निजात मिल सके। अगर कोई वाहन चालक अवैध वसूली के लिए आनाकानी करता हैं तो उसका बड़ा चालान बना देता हैं और वाहन भी खड़ा करा देता हैं। जिससे आर्थिक और मानसिक दोनों तरफ से नुकसान उठाना पड़ रहा है। वाहन चालकों ने अवैध वसूली पर रोक लगाने की मांग की है। टोल कर्मचारियों से पूछताछ में भी अवैध वसूली की पुष्टि हुई हैं। कुछ लोगों ने बताया कि यदि अवैध वसूली की जांच हो तो टोल पर लगे सीसी टीवी कैमरों में अवैध वसूली के सारे रिकॉर्ड मिल जाएंगे। आजकल टोल नाके पर की जा रही अवैध वसूली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। जो लोगों में काफी चर्चा का विषय बना हुआ हैं।

मुस्लिम महासभा ने नव नियुक्त थानाधिकारी देवल का किया इस्तकबाल

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

आमेट। मुस्लिम महासभा द्वारा थाना आमेट में नवनियुक्त थानाधिकारी श्रीमान देवेंद्र सिंह देवल के भीण्डर जिला उदयपुर से यहाँ आमेट थाने में पदस्थापित होने पर मुस्लिम महासभा के रास्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार एवम मुख्य पदाधिकारियों द्वारा इस्तकबाल किया गया जिसमें मुस्लिम महासभा राजसमन्द के जिलाउपाध्यक्ष तुफैल अहमद उस्ता, पूर्व सदर जहूर हुसैन सोरगर, नगर पालिका पार्षद ताहिर अली सोरगर, जिला संगठन मंत्री फारुख शाह, आमेट ब्लॉक उपाध्यक्ष आजाद शाह आदि पदाधिकारियों द्वारा नव नियुक्त थानाधिकारी को अपर्णा भेंटकर फूल मालाऐ पहना कर स्वागत किया गया।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

जुबैर की रिहाई, माशाअल्लाह दुहाई है दुहाई

(स्वतंत्र लेखक राकेश अचल की कलम से)

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान मोहम्मद जुबैर से मेरा न कोई रिश्ता हैं और न कोई जान-पहचान। जुबैर न मेरी जाति का है और न मजहब का, लेकिन उसकी रिहाई से मुझे खुशी है। जुबैर को जिन आरोपों की बिना पर गिरफ्तार किया गया था और जिन हालात में गिरफ्तार किया गया था उन्हें देखकर सरकार और पुलिस की बदनीयती साफ दिखाई दे रही थी। जुबैर को उसकी कथित बेईमानी के लिए नहीं बल्कि अपनी साफगोई की वजह से पूरे 23 दिन जेल रहना पड़ा। जुबैर की गिरफ्तारी से सवाल ही सवाल खड़े हो गए थे। हिन्दुस्तान को जबसे 'हिन्दूस्थान' बनाने की जोरदार मुहिम शुरू हुई है तब से रोज तमाशे हो रहे हैं। किसे गिरफ्तार करना है और किसे खुला छोड़ना है ये पुलिस नहीं सरकार तय करती है और अंततः फैसला अदालतों को करना पड़ता है। पहले से कामबाढ़ की शिकार अदालतें इन बे-सर-पैर के मामलों को सुलझाते सुलझाते थकी सी नजर आने लगीं हैं। आपको याद होगा कि मोहम्मद जुबैर को दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को ट्वीट के जरिये हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस ने मोहम्मद जुबैर पर बाद में साजिश और सबूतों को नष्ट करने का आरोप लगाया और कहा कि आरोपी को विदेशों से चंदा मिला था। जुबैर के खिलाफ प्राथमिकी में दिल्ली पुलिस ने तीन नई धाराएं झ 201 (सबूत नष्ट करने के लिए - प्रारूपित फोन और हटाए गए ट्वीट), 120- (बी) (आपराधिक साजिश के लिए) और एफसीआरए के 35 मामले जोड़े थे। दिल्ली की हो या देश के किसी भी भाग की पुलिस जो चाहे सो कर सकती है। पुलिस की शक्तियां ' हरि कथा की तरह 'अनंत' हैं। पुलिस केवल सरकार और अदालत कि नकेल पड़ने पर ठहरती है। जुबैर की तरह का ही मामला बहन नूपुर शर्मा का भी है। नूपुर से भी मेरा या आपका कोई सीधा रिश्ता नहीं है, सिवाय इसके कि वे हिन्दू हैं और ब्राम्हण हैं। एक अलग बात ये है कि वे सत्तारूढ़ दल की पूर्व प्रवक्ता हैं। उन्हें जुबैर की तरह न आजतक गिरफ्तार किया गया और न ही उनके खिलाफ कोई धारा बढ़ाई

गयी। अब तो उनकी गिरफ्तारी पर माननीय अदालत ने ही रोक लगा दी है। बहन नूपुर के बयान के बाद देश के तीन अलग-अलग हिस्सों में प्रतिक्रिया स्वरूप दो लोगों की जान चली गयी और तीसरा जेरे इलाज अस्पताल में हैं। जुबैर के ट्वीट से ऊपर वाले की कृपा से पुलिस के अलावा किसी और की भावना आहत नहीं हुई, फिर भी जुबैर 23 दिन जेल की हवा खा आये। जुबैर की तरह देश में अकारण जेल की हवा खाने वाले हजारों जुबैर हैं और बहन नूपुर की तरह मुकदमे कायम होने के बाद भी हजारों नूपुरे आजाद हैं। इस प्रसंग में किसी तीस्ता सीतलवाड़ का जिक्र नहीं करना चाहता। उन लोगों का जिक्र भी करना अब गैर जरूरी है जो शहरी नक्सली कहकर जेलों में बंद किये गए और 84 साल की उम्र में जेलों के भीतर ही मर गए। ये विसंगतियां हमारे लोकतंत्र के साथ जन्मी हैं और शायद उसी के साथ ही दूर होंगीं। आजादी के 75 वे साल में हमारा लोकतंत्र मजबूत होने के बजाय कमजोर हो रहा है ,ये कोई आरोप नहीं बल्कि एक हकीकत है और जुबैर तथा नूपुर के मामले इसके उदाहरण हैं .दुर्भाग्य की बात ये है कि देश के तनखीन हो रहे लोकतंत्र को बचने की जो कोशिशें हो रहीं हैं वे सब बिखरी-बिखरी और नाकाफी हैं। देश में पहले भी सत्ता पर काबिज बने रहने के लिए आयारामगयाराम का इस्तेमाल होता रहा है. कांग्रेस ने विपक्ष की सरकारों को धनादेश के बजाय कानून का बेजा इस्तेमाल करते हुए बर्खास्त किया था। लेकिन आज सरकारों को खरीदा जा रहा है, बेचा जा रहा है और सब असहाय हैं। मुहम्मद जुबैर को देश की सबसे बड़ी अदालत ने राहत दी है। सबसे बड़ी अदालत ही नूपुर बहन को राहत दिए है लेकिन उसका चश्मा अलग है। जुवैर को चार साल पुराने ट्वीट के आधार पर गिरफ्तार किया गया था जबकि नूपुर को ताजातरीन मामले में भी गिरफ्तारी से छूट दी गयी है। अदालत का विवेक है। मुझे उस पर टिप्पणी नहीं करना क्योंकि अदालत की हालत भी आम भारतीय जैसी है। अदालत ने नूपुर को हड़काया तो एक संप्रभु वर्ग ने अदालत के लत्ते ले लिए थे। वो तो अदालत उदार है इसलिए किसी के भी खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज नहीं किया अन्यथा एक बड़ी आबादी अवमानना की आरोपी बन चुकी होती। अब सवाल ये है कि इन तमाम प्रसंगों में मुंह की कौन खा रहा है? बदनामी किसकी हो रही है? साख किसकी दांव पर लगी है? और इन सबके लिए जिम्मेदार कौन है? हम लोग बचपन से सुनते आये हैं कि यथा राजा- तथा प्रजा होती है। इस समय राजा साम्प्रदायिक रंग में रंगा है इसलिए देश की एक बड़ी आबादी भी इस रंग में रंगी दिखाई दे रही है। हर गले में नफरत और कटटरत का दुपट्टा पड़ा दिखाई दे रहा है और भुगत रहा है पूरा अवाम। असल मुद्दों तक कोई पहुंच ही नहीं रहा। सबके मेरुदंड झुके हुए हैं। सीधे खड़े होने की ताकत खत्म होती जा रही है। आटा-दाल, दही-मही सब कर के दायरे में हैं लेकिन मजाल कि कोई उफ भी करे, आह भी भरे। प्रधानमंत्री के सामने भाषण देने में हकलाने वाले बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव की मै तारीफ करना चाहूंगा। तेजस्वी ने गिरफ्तार 'फैक्ट चेकर' और 'ऑल्ट न्यूज' के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर का समर्थन किया है. उन्होंने मोहम्मद जुबैर के साथ अपनी एकजुटता दर्शाने के लिए हैशटैग 'स्टैंड विद जुबैर' के साथ अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, 'ऐ आखं वालो इबरत हासिल करो'। कोई जालिम कोई जाबिर हमेशा न रहा है न रहेगा। एक दिन उसको जरूर अपने आमाल का हिसाब देने अपने रब के रूबरू हाजिर होना है। आज वक्त है कि पूरा देश इसी तरह कटटरता, धार्मिक उन्माद और संविधान की फजीहत के खिलाफ एकजुट हो। लोकतंत्र इसी एकजुटता से मजबूत होगा। इसी से सबका विकास होगा और सब साथ-साथ रह पाएंगे। आइये हम सब जुबैर की तरह लड़ें, बहन नूपुर को भी जुबैर कि तरह न्याय मिले। अच्छा हो कि वे देश से खुद कहें कि उनकी टिप्पणी से आहत लोग कत्लोगारद से अपने आपको दूर रखें।

हनुमानगढ़ पुलिस की गैरजिम्मेदारी से शाहपीनी की कुलवीर कौर इस दुनियां को अलविदा कह गई

मरने से पहले पति ने स्प्रे पिलाया था, समय रहते पुलिस ने नहीं की थी ससुरालियों के खिलाफ कार्रवाई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान एक और खाकी का शर्मशार करने वाला चेहरा सामने आया है। अभी हाल ही में शाहपीनी की रहने वाली कुलवीर कौर (32) को कुछ दिन पहले ससुरालियों ने स्प्रे पिला दिया था,जिसे गंभीर अवस्था में हनुमानगढ़ के महावीर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुलवीर कौर जिंदगी और मौत से जूझ रही थी। कुलवीर कौर के भाई पलविंदर सिंह ने हनुमानगढ़ पुलिस थाने में कार्यरत आईओ रेणु बाला से कुलवीर कौर के ससुरालियों के खिलाफ कार्रवाई करने की गुहार लगाई थी, मगर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। ओर तो ओर पुलिस ने उसके ससुराल वालों को कुलवीर कौर के साथ यह गंभीर घटना करने के बाद भी एक भी बार उसके पति को थाने बुलाकर पूछताछ करने की जहमत तक नहीं उठाई। मृतका कुलवीर कौर की शादी 13 साल पहले रघुवीर सिंह के साथ हुई थी। आरोप है कि कुलवीर कौर का पति व सभी ससुराल वाले आए दिन हर रोज उसे दहेज के लिए परेशान करके मारपीट करते रहते थे। कुलवीर कौर के भाई पलविंदर सिंह ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि उसकी बहन के साथ आए दिन ससुरालियों द्वारा मारपीट करके दहेज के लिए परेशान किया जाता था। उसने उसके पति रघुवीर सिंह के किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध होने की बात कही है। उसने उसकी बहन के हत्यारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सभी को फांसी दिए जाने की मांग की हैं।

श्रावण के महिने मे संतो ने किया, धर्ममय वातावरण

नाडोल देव नगरी मे ऋषिकेश्वर महादेव मंदिर पर श्रावण के महिने मे संतो के द्वारा पौधा रोपण कर ईन्द्र देव का स्वागत किया वही कृष्ण भक्त दाता महेन्द्रसिंह राणावत के सानिध्य में भागवत कथा का भव्य आयोजन कथा प्रवक्ता रूपेश कृष्ण शास्त्री महाराज महाभारत प्रसंग राजा परिक्षित जन्म बडे होकर संत शमीक मुनि का अपमान किया उसी का परिणाम सात दिन में मरने का श्राप हम सबको सात दिन में मरना है सृष्ति को केसे बनाते है विदुर प्रसंग मनु शतरूपा ने सृष्ति की हम और आप सब उनकी सन्तान है राजा उत्लानपाद प्रसंग सुनिति और सुरूचि दो पत्नी है हम और आप सब सुन्दर निति का संग करे यही हमारा धर्म है। इस मौके पर कैलाशपुरी देसुरी, प्रकाश भारती महाराज,कालकान्नद महाराज, अयोध्या से आये संत, गौभक्त धनाराम सीरवी, चातुर्मास सेवा समिति नाडोल के सदस्य एवं अध्यक्ष मोहनलाल मेवाडा सहित सैकडो लोग उपस्थित थे। आज कि महा प्रसादी जीव प्रेमी मांगीलाल,हिरालाल, घीसोबा नोकरा द्वारा भक्तो के लिये कि। इस मोके पर रतण जणवा, पुजारी गणेशलाल, मदनलाल रावल प्रभुराम सीरवी,जितेन्द्र सीरवी,अमरसिह राजपुरोहित,प्रकाश माली,मेघाराम मेघवाल,विजयराज घांची, कान्तिलाल मालवीय, राजेश बोहरा, लक्ष्मीनारायण वैष्णव,टिकमचन्द भटनागर, गेनाराम राठौड, भुराराम मद्रास,राजुभाई वैष्णव, शेषाराम, मदनलाल वैष्णव, मुलाराम घांची, रूपाराम सरवी, महेन्द्र बोहरा, ऋषिकेश्वर चातुर्मास सेवा समिति नाडोल के सदस्य एवं अध्यक्ष मोहनलाल मेवाडा सहित भक्तो ने भाग लिया। आज कि महा प्रसादी घांची समाज नाडोल द्वारा की गई। मंच संचालन नरसिह राव ने किया। आचार्य धीरज पाठक, श्याम दास बाबा, अरूण पाठक पैड प्लेयर,पं.नन्द किशोर जोशी,ढोलक वादक लालसिह, औरगंन प्लेयर पप्पीसिह, महादेव टेन्ट रानी, एवं भवानी साउण्ड ने श्रौताओ को भाव विभोर कर दिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पंजाब और दिल्ली में भ्रष्टाचार खत्म कर जनता को सुविधा देकर साबित कर दिया है, आप की सरकार ने: फैसल लाला

संवाददाता/आसिम अजीज /सलीम खान

रामपुर। आम आदमी पार्टी ज़िला कार्यालय पर निकाय चुनाव को लेकर समीक्षा बैठक हुई जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे आम आदमी पार्टी के रोहेलखण्ड प्रांत के अध्यक्ष इंजीनियर मोहम्मद हैदर का ज़िला प्रभारी फैसल लाला ने टीम के साथ गर्मजोशी से इस्तकबाल किया। इस मौके पर स्वार रसूलपुर से मौजूदा बी.डी.सी मेंबर सद्दाम हुसैन ने अपने दर्जनों समर्थकों संग आम आदमी पार्टी का दामन थामा। कार्यक्रम में मुख्यतिथि मौ, हैदर ने आप रामपुर के समस्त कार्यकर्ताओं का शुक्रिया अदा करते हुए कहा जिस तरीके से 2013 में दिल्ली में और 2022 में पंजाब में आम आदमी पार्टी की योजनाओं से प्रभावित होकर दोनो राज्यों की जनता ने सरकार बनाई है इसी तरह हरियाणा, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भी आम आदमी पार्टी सरकार बनाने

जा रही है, उत्तर प्रदेश में भी निकाय चुनाव को 2027 विधानसभा चुनाव का सेमी फाइनल मानकर आम आदमी पार्टी को उत्तर प्रदेश की जनता समर्थन देने जा रही है, उत्तर प्रदेश में आने वाला वक्त आम आदमी पार्टी का है। इस मौके पर जिला प्रभारी फैसल लाला ने कहा की आम आदमी पार्टी देश की सबसे ईमानदार पार्टी है जिसने पंजाब और दिल्ली में भ्रष्टाचार खत्म कर जनता को सुविधा देकर साबित कर दिया है कि आम आदमी पार्टी जो कहती है वह करती है। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में होने वाले निकाय चुनाव में भाजपा का मुख्य विपक्ष बन कर उभरेगी। सभा का संचालन निवर्तमान छात्र विंग जिला अध्यक्ष रय्यान खां ने किया। इस मौके पर रो० खंड प्रांत के उपाध्यक्ष काशिफ खां,ऊ०प्र० तिंरगा शाखा प्रमुख जनक प्रसाद, जिला अध्यक्ष अंसार अहमद, महिला मंडल अध्यक्ष समीना बी, स्वार विधानसभा प्रभारी आसिफ मियां, महिला जिलाध्यक्ष डा० नाज, रो० खंड प्रांत के सचिव जुल्फीकार तुर्क, शाखा प्रमुख मौ. जफर, असरार खां,आलमगीर,आयुष जोहरी, मो, जरीफ, अलमास खां,मो, सलमान, मो, फुरकान, फरीद खां,शवाब खां, जावेद हबीब, मो, मोईन, हाशिम बंजारा, शानिब पाशा, मोहसिन खां, शाहरूख, माजिद खां, इमरान खान, मो, उमर, हबीब खां, मामून खां, भूरा खां, नईम भाई,अविनाश तपन,भूरा खां, नासिर हुसैन,नगमा बी, फाएजा बी, मैसरा मुख्तार, नाजिया खां, महेश सैनी, आदित्य शर्मा, शैजी खान, अमन, सलमान, मो. उमर, परवेज महिगीर सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पीआईबी के खिलाफ पत्रकारों का संसद के समक्ष प्रदर्शन

पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों के हितों के लिए पीपीआई सदैव मजबूती से खड़ा है

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। नई दिल्ली के पत्रकारों ने पीआईबी के तीन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर आज संसद के समक्ष जंतर मंतर पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एक्ट एवं यूएनआई के रिवाइवल की मांग की गयी। प्रदर्शनकारियों की अगुआई करते हुए जॉइंट फोरम के संयोजक सुलतान एस कुरैशी ने कहा कि पीआईबी के तीन अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई कर सरकार पत्रकारों की समस्याओं को दूर करे।प्रदर्शनकारियों को पीरियोडिकल प्रेस ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र शर्मा, और दिल्ली अध्यक्ष एवं चार राज्यों, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश के प्रभारी राजेश ठाकुर, यूनाइटेड इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (UIJA) के सुबीर सेन, संजीत चौधरी, अजित सिंह, इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के गोपाल ठाकुर, सार्क जर्नलिस्ट फोरम के अनिरुद्ध सुधांशु, वरिष्ठ पत्रकार सजन झा फिल्म अभिनेता अंजनी कुमार,डॉ.महेंद्र सिंह एवं सेव यूएनआई मूवमेंट के डॉ समरेन्द्र पाठक सहित कई पत्रकारों ने संबोधित किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए पीपीआई अध्यक्ष डॉ0 सुरेंद्र शर्मा और दिल्ली अध्यक्ष सहित 4 राज्यों के पीपीआई प्रभारी राजेश ठाकुर ने सयुंक्त रूप से कहा पीरियोडिकल प्रेस ऑफ इंडिया देश भर के सभी पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकार हितों के लिए बड़े लंबे समय से संघर्ष करती आ रही है और भविष्य में भी पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकार विषय पर सक्रिय रूप से एकजुता के साथ बहुत ही मजबूती से खड़ी है औरपत्रकारों के इस महत्वपूर्ण विषय पर कार्य कर रही है, उन्होंने कहा कि ज्वाइंट फोरम के नेतृत्व में पीपीआई पत्रकारों के अधिकारों और सुरक्षा विषय पर कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है, और जो भी सहयोग पयरकरो के हितों के लिए रहेगा वह अवश्य पूरा करेंगे। प्रदर्शन में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने कहा कि पीआईबी एक्रीडेशन रिनुअल एवं नए एक्रीडेशन को लेकर काफी संख्या में पत्रकार भेदभाव के शिकार हुए हैं। इससे पत्रकारों में असंतोष है।उन्होंने कहा कि पत्रकारों की खुशहाली के लिये जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एक्ट जरुरी है। उन्होंने यूएनआई के रिवाइबल की भी मांग की। विरोध कार्यक्रम की शुरूआत दिवंगत पत्रकार पंडित उपेन्द्र नाथ मिश्र को दो मिनट का मौन रखकर श्रधांजलि देने के साथ शुरू हुई। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार जे. पी. शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

कानपुर में प्रेमियों के साथ भागी आधा दर्जन लड़कियां बरामद

चौकी वसंत बिहार पुलिस ने भेजा सभी आरोपियों को जेल

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले यहां की नौबस्ता पुलिस ने बहला-फुसलाकर ले जाई गई आधा दर्जन बालिग और नाबालिग लड़कियों को बरामद कर उनके अपहरणकर्ताओं को जेल की हवा भी खिला दी। पुलिस के अनुसार इन सभी लड़कियों को नौबस्ता थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से बहला-फुसलाकर ले जाया गया था, जिसके बारे में उनके परिजनों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार इसी के बाद सभी मामलों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए अन्य सभी लड़कियों के साथ ही नौबस्ता थाना क्षेत्र धरी पुरवा में रहने वाले अजय राजपूत की पुत्री को भी बरामद कर उसके अपहरणकर्ता बिठूर के नंगा पुरवा निवासी कमलेश राजपूत के बेटे शिवम राजपूत को भी गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया। इस घटना के 24 घंटे के अंदर ही आरोपी शिवम राजपूत को श्री राम चौक के पास से गिरफ्तार करके जेल भेजने में सफलता तब मिली जब अपनी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में अनेक शातिर अपराधियों को जेल की हवा खिला चुके वसंत विहार नौबस्ता चौकी के तेजतर्रार और व्यवहार कुशल, निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के जुझारू तेवरों वाले कठोर परिश्रमी चौकी प्रभारी राजेश कुमार सिंह अपनी टीम के साथ गश्त पर निकले हुए थे। नौबस्ता थाने की वसंत विहार चौकी प्रभारी के रूप में कार्य भार ग्रहण करने के बाद से अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले और पीड़ितों की तत्काल सहायता के लिए भी चर्चित तथा अपनी अब तक की जुझारू नौकरी के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को जेल की हवा खिला चुके लोकहित में अपनी धुन के पक्के चौकी प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना के बारे में उसके परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद 24 घंटे के अंदर ही पुलिस ने लड़की को बरामद कर उसे भगा ले जाने वाले आरोपी शिवम राजपूत को भी गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले स्वाभिमानी स्वभाव के कर्मठ और जुझारू चौकी प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने बताया इस बीच पुलिस ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट के आधार पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करते हुए तकरीबन आधा दर्जन लड़कियों को भी बरामद करते हुए बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले जाने के बाद उनके साथ बलात्कार करने वाले आधा दर्जन आरोपियों को भी गिरफ्तार करके जेल भेजने में सफलता प्राप्त की है।

वार्डों का सफाई व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखे जाने को लेकर किया गया निरीक्षण

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर के समस्त वार्डों का सफाई व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखे जाने को लेकर किया गया। निरीक्षण गंदगी मिलने पर सफाई व्यवस्था में सुधार लाये जाने के दिये गये निर्देश अन्य वार्डों के सफाई कर्मियों में मचा रहा हड़कम्प पालिकाध्यक्ष महनाज जहां पति मकसूद लाला द्वारा अपने साथियों व नगर पालिका स्टाफ के कर्मियों सहित मोहल्ला काजीपुरा राहूपुरा सेंटाखेड़ा बरगद आदि का सफाई व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखे जाने को लेकर निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान वार्ड वासियों का भी सहयोग रहा सफाई कर्मियों की कथित मेहनत के चलते उनके मनोबल को बढ़ाया गया सफाई व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखे जाने को लेकर निर्देश दिये गये नगर में सफाई व्यवस्था का चुस्त दुरुस्त रखा जाना बेहद जरूरी है जिसके चलते पनपने वाली अनेकों प्रकार की गम्भीर बीमारियों पर बाद में घरों के अन्दर लगे पानी के कनेक्शनों का निरीक्षण किया गया पानी की तीव्रता कम देखने को मिली वहां पर सुधार लाये जाने की बात कही गई इस मौके पर पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहां पति मकसूद लाला महबूब अली हाजी मु० यामीन पप्पू दिनेश भगत आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बड़ा फायदेमंद है चीकू, वजन भी करता है कम

चीकू आलू की तरह दिखने वाला फल है, जो हर मौसम में आसानी से मिल है। चीकू को सपोटा भी कहते हैं। चीकू को कई गुणों की खान माना जाता है। चीकू पेट की समस्याओं को दूर करने के साथ हेल्दी तरीके से वजन कम करने में मदद करता है। चीकू में मौजूद ऐंटी ऑक्सिडेंट्स और ऐंटी इंफ्लेमेट्री एजेंट होने की वजह से यह कब्ज, दस्त जैसी कई समस्याओं को दूर करने में मददगार है। इसके फायदों पर एक नजर...

वजन कम करता है

चीकू का फल और शेक वजन को कम करने में बेहद फायदेमंद है। अगर आप वजन को कम करने वालों की दौड़ में शामिल हैं, तो अपनी डाइट में चीकू शेक को जरूर शामिल करें।

कब्ज और यूरीन में जलन से बचाए

चीकू में मौजूद ऐंटी इंफ्लेमेट्री एजेंट आपको कई बामारियों से बचाने में मददगार है। चीकू के सेवन से शरीर को प्राकृतिक रूप से ऊर्जा मिलती है। चीकू कब्ज, अतिसार, एनिमिया व हृदय रोगों से बचाव में फायदेमंद है। इसके अलाव यह यूरिन में जलन को दूर करता है। चीकू शेक को एनर्जी ड्रिंक के तौर पर भी पिया जा सकता है क्योंकि इसमें ग्लूकोज काफी मात्रा में पाया जाता है। हेल्दी और फिट कौन नहीं रहना चाहता। ऐसे में फूड के लिए पूरी दुनिया के लोग जागरूक हो रहे हैं। कई बार हेल्थ को देखते हुए हम भूख मिटाने के लिए डायट फूड लेने लगते हैं। लोगों को लगता है कि ये हेल्दी होते हैं। लेकिन ये बस हेल्दी लगते ही हैं जबकि सच्चाई कुछ और होती है। यहां कुछ ऐसे ही फूड्स हैं जिन्हें लोग हेल्दी मानकर खाते हैं पर वे हेल्दी नहीं होते...

फिटनेस फ्रीक लोग स्मूदीज और प्रोटीन शेक्स के लिए दीवाने होते हैं। इन्हें खाने के बीच में लेना चाहिए ताकि भूख न लगे। कुछ स्मूदीज और शेक्स वाकई में हेल्दी होते हैं जबकि कुछ में कैलरीज और शुगर काफी ज्यादा होती है। यह आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यॉगर्ट पेट के लिए अच्छा हता है। हालांकि कुछ यॉगर्ट्स में ऐक्टिव और लाइव कल्चर नहीं होता जो कि फायदा पहुंचाने वाले बैक्टीरिया होते हैं। जब यॉगर्ट से कैलरी कम करने के लिए फैट हटाया जाता है तो फ्लेवर बढ़ाने के लिए इसमें शगर ऐड कर देते हैं। कई लो-फैट यॉगर्ट्स में शुगर होती है जो आपके वेट-लॉस प्लान को चौपट कर सकती है। कई लोग इंस्टेंट एनर्जी के लिए प्रोटीन बार लेना पसंद करते हैं। ऐसा नहीं कि सारे प्रोटीन बार अनहेल्दी होते हैं लेकिन कुछ में कैलरी ज्यादा होने के साथ आर्टिफिशियल इनग्रेडिएंट्स भी होते हैं। आप हेल्थ के लिए चीनी के बजाय स्वीटनर्स भले चुनें लेकिन इसका कोई फायदा नहीं। आप इन्हें हेल्दी समझते हैं लेकिन इनसे वजन बढ़ सकता है। वजन कम ही करना है तो चीनी कम कर दें भले ही यह हेल्दी शुगर हो। डायट कुकीज हों, चिप्स हों या ऐसे ही दूसरे आइटम्स ये सभी अनहेल्दी होते हैं और इनसे वजन बढ़ जाता है। डायट फूड्स में प्रिजर्वेटिव्स, अनहेल्दी फैट्स और आर्टिफिशियल स्वीटनर्स होते हैं। ये सेहत के लिए अच्छे नहीं होते। ड्राइड फ्रूट्स में फाइबर्स, विटमिन्स और जरूरी पोषक तत्व होते हैं। हालांकि इनमें मिठास फ्रेश फ्रूट से ज्यादा होती है और लोग इन्हें ज्यादा भी खा लेते हैं। ये फ्रेश फ्रूट्स की तुलना में कम हेल्दी माने जाते हैं। चीकू में कैल्शियम व आयरन होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने और आंखों की रोशनी के लिए फायदेमंद माना जाता है। चीकू आयरन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत है। यह हड्डियों के विकास में भी मददगार है।

गुणों से भरपूर

- आयरन
- विटामिन सी
- फास्फोरस
- फाइबर
- सोडियम
- मैग्नीशियम
- विटामिन बी 6
- पोटैशियम
- कैल्शियम

चीकू आयरन से भरपूर होता है। इससे पेट से जुड़ी समस्याओं में काफी आराम मिलता है। डॉ. पूनम तिवारी, डायटिशन, आरएमएलआई

मॉनसून में इन 6 तरीकों से करें होंठों की देखभाल, हो जाएंगे पिंक और सॉफ्ट

खूबसूरत चेहरे के साथ अगर होंठ भी सुर्ख लाल या गुलाबी हों तो सुंदरता में चार चांद लग जाते हैं। आखिर खूबसूरत होंठ भला किसकी चाहत नहीं होती। लेकिन यह चाहत पूरी हो सकती है बशर्ते उनका अच्छी तरह से ख्याल रखा जाए। जिस तरह एनर्जी और यंग लुक के लिए शरीर को हेल्दी खान-पान और सही देखभाल की जरूरत होती है, ठीक वैसे ही होंठों को भी। सर्दी और गर्मी में तो होंठों की ढंग से केयर की जाती है, लेकिन मॉनसून में सब मामला गड़बड़ हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बरसात के मौसम में बालों, स्किन और सेहत के ध्यान के अलावा किसी का ध्यान इस ओर जाता ही नहीं होंठों को भी एक्स्ट्रा केयर चाहिए।

1- ड्राई और फटे होंठों की समस्या सिर्फ सर्दियों या गर्मियों में ही नहीं होती, बल्कि कई लोगों के साथ यह समस्या सदाबहार है। इसलिए यहां कुछ ऐसे टिप्स दिए जा रहे हैं जो बारिश के मौसम में भी होंठों का ख्याल रखने में काम आएंगेः

2- होठों पर अगर डेड स्किन हो या पपड़ी जम रही हो तो फिर उस पर जीभ लगाने या फिर हाथों से डेड स्किन निकालने के बजाय आधा चम्मच शहद में आधा चम्मच चीनी मिक्स करके होंठों पर लगाएं। एक ब्रश की मदद से होंठों को धीरे-धीरे रब करें। इससे डेड स्किन को निकलेगी ही साथ ही होंठ सॉफ्ट भी हो जाएं।

3- रात को सोने से पहले होंठों पर लिप बाम या फिर बोरोप्लस लगाएं, काफी फायदा होगा। इसके अलावा होंठों पर रोजाना रात को गाय का घी लगाने से भी वे मुलायम और गुलाबी हो जाते हैं।

लिप्स डार्क हैं, होंठों पर लगाएं सनस्क्रीन

4- लिप्स को स्क्रब करने के अलावा उनकी मसाज भी करें। इससे वे गुलाबी हो जाएंगे। इस-के लिए लिप्स पर कोकोनट या फिर ऑलिव ऑइल लगाएं और उंगलियों से मसाज करें।

5- रात को सोते वक्त कई महिलाएं मेकअप रिमूव करने के बाद लिपस्टिक रिमूव नहीं करतीं। इससे होंठों को काफी नुकसान होता है। रोजाना रात को लिपस्टिक हटाने के बाद लिप बाम लगाकर सोएं।

6- इसके अलावा स्मोकिंग न करें और हेल्दी खान-पान रखें। बॉडी को डिटॉक्स रखें और खूब पानी पिएं। पानी की कमी लिप्स को भी ड्राई बना देती है जिससे वे बदसूरत लगते हैं।

घर पर करें टमाटर फेशियल, चेहरे पर दिखेगा इंस्टंट ग्लो

घर पर करें टमाटर फेशियल, चेहरे पर दिखेगा इंस्टंट ग्लो

हेल्थ के साथ ही टमाटर स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। इसलिए आप चाहें, तो टमाटर को फूड के अलावा अपने चेहरे पर भी प्रयोग कर सकती हैं। यह आपको कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स से निजात दिलाएगा। दरअसल, टमाटर में लाइकोपीन की क्वांटिटी काफी तादाद में होती है। लाइकोपीन के अलावा इसमें बहुत से ऐंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा पर फ्री रेडिकल्स के इफेक्ट्स को कम करने में मदद करते हैं। यही नहीं, अगर आप टमैटो फेशियल करती हैं, तो आप कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स से बची रहेंगी...

किसी भी तरह के फेशल को शुरू करने से पहले त्वचा की सफाई बेहद जरूरी है। टमैटो फेशल इसलिए फायदेमंद है क्योंकि इसमें नैचरल क्लींजिंग गुण पाए जाते हैं। चेहरे को क्लीन करने के लिए आधे टमाटर में चीनी मिलाकर 5 मिनट तक चेहरे पर मलें। इसके बाद साफ पानी से चेहरा थोकर हल्के हाथ से पोंछ लें। इसके अलावा भी कई तरीकों से क्लींजिंग की जा सकती है।

टमाटर और दूध

टमाटर के रस और दूध को मिलाकर चेहरे पर एक से दो मिनट तक मालिश करें। अब नॉर्मल पानी से मुंह धो लें। टमाटर जहां चेहरा क्लीन करता है वहीं दूध मॉइश्चराइजिंग के काम आता है।

स्क्रबिंग

क्लींजिंग के बाद सबसे महत्वपूर्ण स्टेप आता है स्क्रबिंग। यह आपके चेहरे को डीप क्लीन करने का काम करती है। चेहरे पर जमी ऊपरी गंदगी तो रोजाना साफ हो जाती है लेकिन पलूशन के कारण स्किन के भीतर गई गंदगी को साफ करना बेहद जरूरी है। लेकिन ध्यान रहे कि त्वचा हमेशा दो प्रकार की होती है ड्राई स्किन और ऑइली स्किन। अब अगर त्वचा अलग-अलग प्रकार की है तो इसकी स्क्रबिंग के तरीके भी अलग-अलग होने चाहिए।

डेड स्किन निकाले

इसके लिए आप टमाटर के गूदे को निकालकर उसमें चीनी मिक्स करके चेहरे पर दो से तीन मिनट तक रगड़ें। आप चाहें तो चीनी की जगह ओटमील का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इस स्क्रब का इस्तेमाल करने से चेहरे की सारी डेड स्किन रिमूव हो जाएगी। उसके बाद आप साफ पानी से मुंह धो लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सीता के रोल में नजर आएंगी मृणाल ठाकुर

टीवी की दुनिया से फिल्मों तक अपना सफर तय करने वाली मृणाल ठाकुर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। टीवी शो 'कुमकुम भाग्य' में बुलबुल अरोड़ा का रोल निभा कर घर घर में अपनी एक खास पहचान बनाई। मृणाल ठाकुर की हाल ही में फिल्म 'जर्सी' रिलीज हुई थी, जिसमें वह एक्टर शाहिद कपूर के साथ नजर आई थी। यह फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कुछ कमाल न कर पाई हो, लेकिन फिल्म में मृणाल के अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी। 'जर्सी' के बाद मृणाल अब अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में बनी हुई है। मृणाल ठाकुर उन एक्ट्रेस में से एक है, जिन्होंने बहुत कम समय में ही इस इंडस्ट्री में अपनी जगह बना ली है। बॉलीवुड की फिल्में करने के बाद मृणाल अब फिल्म 'सीता रामम' के जरिए दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी कदम रखने वाली है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है।

वह मेरे लिए सबसे ज्यादा हीनता का पल: मल्लिका

मल्लिका शेरावत बड़े पर्दे पर अपनी फिल्म RK/RAY के साथ लौट रही हैं। मल्लिका शेरावत को फिल्म 'मर्डर' से ही बोल्ड ऐक्ट्रेस का तमगा दे दिया गया, जिस वजह से उन्हें काफी कुछ झेलना भी पड़ा। मल्लिका शेरावत ने अपने परिवार के खिलाफ जाकर फिल्मों में ऐक्टिंग का फैसला लिया, जिसके बाद उन्होंने बगावत कर दी थी। मलिल्का शेरावत ने बताया कि उनकी लाइफ सबसे अधिक गर्व और हीनता का पल कौन सा रहा है। मल्लिका ने बताया कि पिता उनके इस काम के खिलाफ इस कदर खड़े थे कि उन्होंने सरनेम तक के इस्तेमाल तक पर रोक लगा दी। उन्होंने साफ कह दिया था कि हमारा सरनेम इस्तेमाल करने का तुम्हें कोई हक नहीं है, मैं तुम्हें बेदखल करता हूं। मल्लिका इसके लिए भी तैयार हो गई। मल्लिका ने कहा, जब मेरे परिवार ने मुझे बेदखल कर दिया और मुझे मुंबई आना पड़ा, तो वह मेरे लिए सबसे ज्यादा हीनता का पल था। मेरे पिता ने मुझे एक बार भी नहीं पूछा कि मेरे पास एक रुपया भी है या नहीं?

करीना ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही ऐसी खबरें आईं कि करीना कपूर खान तीसरी बार मां बनने वाली हैं। वह प्रेगनेंट हैं। करीना कपूर के बारे में यह चर्चा देखते ही देखते वायरल हो गई। इस पर करीना भी हैरान रह गईं। करीना कपूर खान ने इन तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया है और मजेदार अंदाज में जवाब दिया है। करीना का कहना है कि सैफ ने देश की आबादी में बहुत योगदान दे दिया है। बता दें कि करीना कपूर की हाल ही एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वह सैफ के साथ हाथ में वाइन और पास्ता लिए नजर आ रही थीं। यह तस्वीर उनके लंदन वेकेशन की थी। इसमें करीना का बेबी बंप जैसा कुछ दिखाई दे रहा था, जिसके बाद एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की चर्चा शुरू हो गई। कुछ लोगों का कहना था कि वह फोटोशॉप्ड तस्वीर थी। अब करीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर उस तस्वीर का सच बयां किया और यह भी साफ किया है कि वह प्रेगनेंट नहीं हैं। करीना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, यह वाइन और पास्ता का असर है। इसलिए धैर्य रखें। मैं प्रेगनेंट नहीं हूं। उफ्फ...सैफ कहते हैं कि वह पहले ही हमारे देश की आबादी में काफी योगदान दे चुके हैं। तो इंजॉय करें।